ISSN: 2249-894X IMPACT FACTOR : 3.8014 (UIF)

REVIEW OF RESEARCH

VOLUME - 6 | ISSUE - 9 | JUNE - 2017

उर्दू चैनलों पर प्रसारित महिलाओं से जुड़े मुद्दे : विश्लेषणात्मक अध्ययन

मुहम्मद फ़रियाद
एसोशिएट प्रोफेसर,जनसंचार विभाग ,**मौलाना आज़ाद** ,
राष्ट्रीय उर्दू विश्वविद्यालय, **हैदराबाद.**

प्रस्तावना-

उर्दू कार्यक्रमों की शुरुआत दूरदर्शन के राष्ट्रीय चैनल एवं ऑल इंडिया रेडियो के क्षेत्रीय सेवाओं एवं विदेश प्रसारण इकाई से हो चुकी थी। मगर उर्दू चैनल के कांसेप्ट को उर्दू टेलीविजन नेटवर्क (यूटीएन) ने पूरा किया। इस चैनल को दुबई से प्रसारित किया गया। इस चैनल की आयु बहुत कम रही और ये चैनल दर्शकों पर कोई छाप छोड़े बगैर ही बंद हो गया। उदारीकरण के बाद भाषाई चैनलों का पर्याप्त विकास हुआ। लगभग सभी भारतीय भाषाओं में सेटेलाइट चैनलों का प्रसारण शुरू हो चुका था। दुनिया का पहला सेटेलाइट उर्दू चैनल ई-टीवी उर्दू के रूप में हमारे सामने आया। इसके बाद दूरदर्शन का उर्दू चैनल 2006 से प्रसारित हो रहा है। वर्तमान में लगभग एक दर्जन उर्दू चैनलों का प्रसारण हो रहा है। जिसमें कुछ सेटेलाइट चैनल हैं जबकि कुछ केबल चैनल हैं। प्रस्तुत अध्ययन में ई-टीवी उर्दू और डीडी-उर्दू को शामिल किया गया है। इस अध्ययन में ई-टीवी उर्दू और डीडी-उर्दू पर प्रसारित कार्यक्रमों का विश्लेषण किया गया है। ये चैनल पूरी तरह से इन्फ़ोटेंमेंट चैनल है। जिसमें सभी तरह के कार्यक्रमों को शामिल किया जाता है। इन चैनलों पर महिलाओं से जुड़े मुद्दों का प्रसारण अपेक्षाकृत कम होता है। इस अध्ययन के माध्यम से उन कार्यक्रमों की स्थिति को जानने का प्रयास किया गया है।

शब्द-**कुंजी** -उर्दू,उर्दू चैनल,कार्यक्रम,महिला इत्यादि.....

शोध-प्रविधि-अंतर्वस्तु विश्लेषण

शोध उपकल्पना-

- उर्दू चैनलों पर महिलाओं से जुड़े मुद्दों का का प्रसारण कम होता है।
- उर्दू चैनलों पर प्रसारित महिलाओं से जुड़े कार्यक्रम स्टीरियोटाइप होती है।

उद्देश्य-

- उर्दू चैनलों पर प्रसारित महिलाओं से संबंधित कार्यक्रमों की विषयवस्तु का अध्ययन करना।

ई-टीवी-उर्दू

उर्दू के अब तक का सबसे कामयाब चैनल यानि ई-टीवी-उर्दू को 15 अगस्त, 2001 में स्थापित किया गया। दक्षिण के मीडिया मुग़ल रामोजी राव का स्पष्ट मानना था कि किसी भी भाषा का उसके बोलने वालों से जबरदस्त जुड़ाव होता है। भाषा को उसके कल्चर एवं रहन-सहन से अलग करके नहीं देखा जा सकता। उर्दू बोलने वालों की संख्या कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक फैली हुई है, इसलिए इस पूरे जनसंख्या की नुमाइंदगी करने वाले एक चैनल की आवश्यकता है, इन्हीं उद्देश्यों की पूर्ति के ई-टीवी-उर्दू की स्थापना हुई। चूँकि भाषाई चैनलों के बाजार में ई-टीवी समूह कोई नया खिलाड़ी नहीं था, उसे इस चैनल को सँभालने में कोई दिक्कत नहीं हुई। ई-टीवी-उर्दू पर प्रसारित होने वाले मुख्य कार्यक्रमों में संगीत, ग़ज़ल, स्वास्थ्य, खान-पान, समाचार समसामयिक मुद्दों से जुड़े कार्यक्रमों के साथ-साथ महिलाओं से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता दी जाती है। ई-टीवी-उर्दू पूरी तरह से इंफोटेंमेंट के सिद्धांत पर काम करता है।

चार्ट संख्या: 1

Sr.No.	Timing	Programme name	Programme Details
1-	12:30AM	Mehfil-E-Mushaira	उर्दू भाषा की मशहूर विधाओं में एक है ग़ज़ल। इस कार्यक्रम के अंतर्गत उर्दू के शिखर कवियों एवं रचनाकारों की रचनाओं से संबंधित कार्यक्रमों का प्रसारण होता है एवं मुशायरों एवं कवि सम्मेलनों का सीधा प्रसारण भी किया जाता है।
2-	01:00AM	Andhra/Telangana	इस कार्यक्रम में आंध्र प्रदेश और तेलंगाना से संबंधित ख़बरों को प्रसारित किया जाता है।
3-	01:30AM	Maharashtra/Karnatak	इस कार्यक्रम में महाराष्ट्र और कर्नाटक से संबंधित ख़बरों को प्रसारित किया जाता है।
4-	02:00AM	Mehfil	इस कार्यक्रम में मशहूर ग़ज़ल गायकों को आमंत्रित किया जाता है।
5-	02:30AM	Documentary	एक तरह से ये स्लॉट फ़िलर का काम करता है। इसके अंतर्गत डॉक्यूमेंट्री/फ़ीचर का भी प्रसारण होता है।
6-	03:00AM	Alami Manzar	समसामयिक मुद्दों पर आधारित ई-टीवी-उर्दू का प्रमुख कार्यक्रम
7-	03:30 AM	AKS-E-RASOI	खान-पान भी एक तरह से कल्चर से ही जुड़ा हुआ है। ई-टीवी-उर्दू पर ऐसे पाक विधियों से संबंधित कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाते हैं जिनको वो समाज अधिक पसंद करता है।
8-	04:00 AM	KHAAS BAAT	समाचार एवं समसामयिक आधारित ऐसा कार्यक्रम जिसमें देश-दुनियाँ में घटनाओं को शामिल किया है।
9-	04:30 AM	NAWA-E-SAROSH	धार्मिक कार्यक्रम
10-	05:00 AM	FARMAN-E-ILAHI	धार्मिक कार्यक्रम
11-	05:30 AM	NAMAZ-E-FAJER	धार्मिक कार्यक्रम
12-	06:00 AM	NEWS HEADLINES	समाचार से संबंधित कार्यक्रम
13-	06:05 AM	MOHSIN-E-INSANIYAT	धार्मिक कार्यक्रम
14-	06:30 AM	ISLAM FOR KIDS	बच्चों के लिए इस्लाम से संबंधित कार्यक्रम
15-	07:00 AM	NEWS HEADLINES	समाचार से संबंधित कार्यक्रम
16-	07:05 AM	KHABARNAMA	समाचार से संबंधित कार्यक्रम
17-	07:30 AM	KASHMIR NEWS	जम्मू एवं कश्मीर से संबंधित समाचारों का प्रसारण
18-	08:00 AM	NEWS HEADLINES	समाचार से संबंधित कार्यक्रम
19-	08:05 AM	KHAAS BAAT	समाचार एवं समसामयिक आधारित ऐसा कार्यक्रम जिसमें देश-दुनियाँ में घटनाओं को शामिल किया है।
20-	08:30 AM	HAKIM AKBAR KAUSER SHOW	प्रायोजित कार्यक्रम
21-	09:00 AM	NEWS HEADLINES	समाचार से संबंधित कार्यक्रम
22-	09:05 AM	JAWAHRAT KA KARISHMA	ज्योतिष से संबंधित कार्यक्रम
23-	10:00 AM	KHABARNAMA	समाचार से संबंधित कार्यक्रम
24-	10:30 AM	URDU DUNIYA	उर्दू अदब में हो रही गतिविधियों से संबंधित कार्यक्रम
25-	11:00 AM	DR. DRG WELLNESS	प्रायोजित कार्यक्रम
26-	11:30 AM	TELEMARKETING	प्रायोजित कार्यक्रम
27-	12:00 PM	DUNIYA UPDATE	समाचार से संबंधित कार्यक्रम
28-	12:30 PM	E CAFÉ	मनोरंजन आधारित कार्यक्रम
29-	1:00 PM	KHABARNAMA	समाचार से संबंधित कार्यक्रम

30-	1:30 PM	AKS-E-RASOI	खान-पान भी एक तरह से कल्चर से ही जुड़ा हुआ है। ई-टीवी-उर्दू पर ऐसे पाक विधियों से संबंधित कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाते हैं जिनको वो समाज अधिक पसंद करता है।
31-	2:00 PM	KHABARNAMA	समाचार से संबंधित कार्यक्रम
32-	2:30 PM	AAO QURAN SEEKHEIN	धार्मिक कार्यक्रम
33-	3:00 PM	MEHFIL	इस कार्यक्रम में मशहूर ग़ज़ल गायकों को आमंत्रित किया जाता है।
34-	3:30 PM	DOCUMENTARY / FEATURE	एक तरह से ये स्लॉट फ़िलर का काम करता है। इसके अंतर्गत डॉक्यूमेंट्री/फ़ीचर का भी प्रसारण होता है।
35-	4:00 PM	KHABARNAMA	समाचार से संबंधित कार्यक्रम
36-	4:15 PM	TELEMARKETING	प्रायोजित
37-	4:30 PM	KHABARNAMA	समाचार से संबंधित कार्यक्रम
38-	5:00 PM	JAWAHRAT KA KARISHMA	ज्योतिष से संबंधित कार्यक्रम
39-	5:30 PM	JAWAHRAT KA KARISHMA	ज्योतिष से संबंधित कार्यक्रम
40-	6:00 PM	NEWS HEADLINES	समाचार से संबंधित कार्यक्रम
41-	6:05 PM	MAHARASHTRA / KARNATAKA NEWS	इस कार्यक्रम में महाराष्ट्र और कर्नाटक से संबंधित ख़बरों को प्रसारित किया जाता है।
42-	6:30 PM	ANDHRA / TELANGANA NEWS	इस कार्यक्रम में आंध्र प्रदेश और तेलंगाना से संबंधित ख़बरों को प्रसारित किया जाता है।
43-	7:00 PM	NEWS HEADLINES	समाचार से संबंधित कार्यक्रम
44-	7:05 PM	KASHMIR NEWS	कश्मीर से संबंधित समाचार
45-	8:00 PM	URDU DUNIYA	उर्दू अदब में हो रही गतिविधियों से संबंधित कार्यक्रम
46-	8:30 PM	KHAAS BAAT	समाचार एवं समसामयिक आधारित ऐसा कार्यक्रम जिसमें देश-दुनियाँ में घटनाओं को शामिल किया है।
47-	9:00 PM	HAMARE MASAIL	समसामयिक मुद्दों पर आधारित ई-टीवी-उर्दू का प्रमुख कार्यक्रम
48-	9:30 PM	HAMARE MASAIL	समसामयिक मुद्दों पर आधारित ई-टीवी-उर्दू का प्रमुख कार्यक्रम
49-	10:00 PM	ALAMI MANZAR	समसामयिक मुद्दों पर आधारित ई-टीवी-उर्दू का प्रमुख कार्यक्रम
50-	10:30 PM	MEHFIL-E-MUSHAIRA	उर्दू अदब की सर्वाधिक लोकप्रिय विधा ग़ज़ल पर आधारित ई-टीवी-उर्दू का लोकप्रिय कार्यक्रम
51-	11:00 PM	MEHFIL-E-MUSHAIRA	उर्दू अदब की सर्वाधिक लोकप्रिय विधा ग़ज़ल पर आधारित ई-टीवी-उर्दू का लोकप्रिय कार्यक्रम
52-	11:30 PM	MEHFIL-E-MUSHAIRA	उर्दू अदब की सर्वाधिक लोकप्रिय विधा ग़ज़ल पर आधारित ई-टीवी-उर्दू का लोकप्रिय कार्यक्रम

उपर्युक्त चार्ट के अध्ययन से स्पष्ट होता है कि ई-टीवी-उर्दू के कार्यक्रमों भरपूर विविधता है। जहाँ एक तरफ धार्मिक कार्यक्रम हैं तो दूसरी तरफ समाचार व समसामयिक मुद्दों से संबंधित , क्षेत्रीय ख़बरों का प्रसारण, उर्दू अदब से जुड़ा हुआ कार्यक्रम, ज्योतिष से संबंधित कार्यक्रम, बच्चों के लिए कार्यक्रम, प्रायोजित कार्यक्रम एवं फिलर्स के लिए अलग से स्लाट्स निर्धारित किए गए हैं। हमारे-ए-मसाएल और आलमी मंजर ई-टीवी-उर्दू के अधिक पसंद किए जाने वाले कार्यक्रमों में शामिल हैं। आमतौर पर हमारे-ए-मसाएल देश में घटित प्रमुख मुद्दों पर केंद्रित कार्यक्रम है। जिसमें अधिकांशतः मुस्लिमों से जुड़े मुद्दों को तरजीह दी जाती है।

सच्चर कमेटी रिपोर्ट आने के बाद इस बात का पुख़्ता दस्तावेज़ीकरण हो गया कि मुस्लिम समाज की सामाजिक और शैक्षणिक काफी खराब है। शैक्षणिक हालत खराब होने के कारण वो सरकारी योजनाओं का सही तरीके से इस्तेमाल नहीं कर पाते। इसलिए हमार-ए-मसाएल कार्यक्रम में उपर्युक्त संदर्भित मुद्दों पर बहस करने का प्रयास किया जाता है। आलमी मंजर भी ई-टीवी-टीवी उर्दू का एक प्रमुख समसामयिक कार्यक्रम है। इस कार्यक्रम में ख़ासतौर से मुस्लिम देशों में घटित घटनाओं को शामिल करने का प्रसस किया जाता है। चूँकि खाड़ी देशों से मुस्लिमों का जुड़ाव कई स्तरों से है। एक कारण धार्मिक तो है मगर दूसरी

तरफ बड़ी संख्या में भारतीय मजदूर एवं पेशेवर अरब देशों में कार्यरत हैं जिसकी वजह से वहाँ घटित छोटी-छोटी घटना भी यहाँ के खास हो जाता है। कच्चे तेल का भी मामला हमेशा उतार-चढ़ाव भरा होता है ।इन सारी वजहों से आलमी मंजर में उपर्युक्त विषयों को शामिल किया जाता है।

आंध्रा-तेलंगाना और महाराष्ट्र-कर्नाटक के नाम से आधे-आधे घंटे के दो बुलेटिनों का प्रसारण ई-टीवी-उर्दू पर होता है। 25 मिनट एक बुलेटिन कश्मीर न्यूज़ के नाम से होता है। उपर्युक्त तीनों बुलेटिन अपने आप में विशिष्ट हैं। इन तीनों बुलेटिनों के प्रसारण का एक भाषाई एवं सांस्कृतिक संदर्भ भी है। आज़ाद भारत के पहले का हैदराबाद एक पूर्ण रियासत हुआ करता था, आज़ादी के बाद इस राज्य का बटवारा हुआ और इसके कुछ जिले कर्नाटक में और कुछ जिले महाराष्ट्र में शामिल हुए। लेकिन भाषाई तौर पर ये क्षेत्र हैदराबाद से कभी अलग नहीं हो पाए। महाराष्ट्र राज्य के औरंगाबाद, शोलापूर, नांदेड़ और उस्मानाबाद जबकि कर्नाटक राज्य के बीदर और गुलबर्गा का इलाक़ा सांस्कृतिक तौर पर हैदराबाद से ही जुड़ा हुआ है। इन इलाकों में उर्दू भाषा दूसरे क्षेत्रों के मुक़ाबले अच्छी स्थिति में है। इन्हीं सब बातों को ध्यान में रखकर ई-टीवी-उर्दू के स्थापना के बाद इन बुलेटिनों को शौरी किया, जिसका प्रसारण अभी भी जारी है। कश्मीर की अधिकांश आबादी मुस्लिम है और न चाहते हुए भी उर्दू को मुसलमानों के साथ जोड़ा जाता है। इन्हीं बातों को ध्यान में रखकर ई-टीवी-उर्दू के कश्मीर बुलेटिन को शुरू किया गया। ई-टीवी-उर्दू का ये कार्यक्रम ई-टीवी-उर्दू के लोकप्रिय कार्यक्रमों में से एक है। उर्दू धर्म से नहीं बल्कि तहज़ीब से जुड़ी हुई भाषा है। ये बात ई-टीवी-उर्दू के खास कार्यक्रम जवाहरत के करिश्मे से प्रमाणित होती है। चूँकि इस्लाम में ज्योतिष की कोई जगह नहीं है। अगर उर्दू चैनल इस्लाम से जुड़ा हुआ होता तो उस पर इस तरह के कार्यक्रमों का प्रसारण नहीं होना चाहिए था लेकिन ये भाषा तो तहज़ीब से जुड़ी है इसलिए ज्योतिष से संबंधित कार्यक्रमों की जगह भी ई-टीवी-उर्दू पर है। ई-टीवी-उर्दू पर हर घंटे में ख़बरों का प्रसरण होता है।

उर्दू अदब से संबंधित कार्यक्रमों जैसे महफिल-ए-मुशाएरा और उर्दू दुनिया का प्रसारण होता है। महफिल-ए-मुशाएरा में देश और विदेश में हो रहे मुशायरों को कवर किया जाता है। उर्दू दुनिया उर्दू अदब में हो रहे हलचलों पर आधारित कार्यक्रम है। ई-टीवी-उर्दू बड़े पैमाने पर धार्मिक कार्यक्रमों का भी प्रसारण करता है। हैल्थ से जुड़े कार्यक्रम आदाब डॉक्टर का प्रसारण भी ई-टीवी-उर्दू पर होता है। ई-टीवी-उर्दू अपने लाइव कार्यक्रमों के लिए भी जाना जाता है जैसे हज के मौके पर ई-टीवी-उर्दू का प्रसारण, अजमेर उर्स के मौके ई-टीवी-उर्दू का प्रसारण, मोहर्रम के मौके पर ई-टीवी-उर्दू का प्रसारण एवं चुनाव के वक्त भी ई-टीवी-उर्दू का प्रसारण किसी अन्य चैनल जरा भी कमतर नहीं है। इस तरह से ई-टीवी-उर्दू प्रसारण एवं कार्यक्रमों में विविधता के लिहाज से किसी भी चैनल से कमजोर नहीं है। महिलाओं से मुद्दों में आदाब डॉक्टर के अंतर्गत उनकी निजी समस्याओं पर खूब कार्यक्रम होते हैं। जिझकबस महिलाएँ अपनी बहुत सारी समस्याओं पर खुलकर राय नहीं रख पाती हैं इसलिए ये कार्यक्रम उनके लिए बहुत मुफ़ीद साबित हुआ है। समसामयिक मुद्दों से संबंधित कार्यक्रम में भी महिलाओं से जुड़ी ज्वलंत समस्याओं पर बात होती है। इस तरह से ये कहा जा सकता है कि ई-टीवी-उर्दू पर महिलाओं से जुड़े मुद्दों का प्रसारण कम ही सही मगर होता है।

डीडी-उर्दू

तमाम वर्नाकुलर चैनलों की स्थापना के बाद से ही उर्दू के चैनल के लिए माँग उठने लगी थी। इस बात का पहले ही जिक्र हो चुका है कि दूरदर्शन के राष्ट्रीय चैनल एवं इसके विभिन्न रिले केंद्रों से उर्दू भाषा में समाचारों के अलावा समसामयिक मुद्दों से संबंधित कार्यक्रम, व्यक्ति विशेष से संबंधित कार्यक्रम, उर्दू अदब से संबंधित कार्यक्रम आदि का प्रसारण पहले से ही हो रहा था। चूँकि उर्दू बोलने और समझने वालों की संख्या देश के कोने-कोने में है, इसलिए उर्दू भाषा के उस दीवाने तबके का स्वतंत्र उर्दू चैनल के मुहिम को जबरदस्त समर्थन मिला। भारत सरकार नें 15अगस्त, 2006 से उर्दू चैनल के प्रसारण की घोषणा कर दी। 14 नवंबर, 2007 से इसके प्रसारण को 24 घंटे का कर दिया गया। उर्दू चैनल को खोलने का बुनियादी मकसद उर्दू कल्चर को बढ़ावा देना था। इसके प्रसारण में जहाँ एक तरफ तहज़ीब व सकाफ़त, अदबी व इल्मी वरासत के अलावा अपने चुनिंदा दर्शकों से संबंधित मसलों को उठाना था। वहीं इस चैनल के उद्देशयों में ये भी शामिल है था किस तरह से उर्दू भाषा को वह स्थान दिलाया जाए जिसकी वो हक़दार है। डीडी-उर्दू पर प्रसारित कार्यक्रमों का विवरण निम्न सूची से हम समझ सकते हैं –

चार्ट सँख्या: 2

Sr.No.	Timing	Programme name	Programme Details
1-	00:00 AM	KHABRAIN	समाचार आधारित कार्यक्रम
2-	00:05 AM	INTERNATIONAL CURRENT AFFAIR	समसामयिक मुद्दों पर आधारित कार्यक्रम
3-	00:30 AM	ILM KI BUNIYAD	प्रेरक महापुरुषों के जीवन से संबंधित कार्यक्रम
4-	01:00 AM	GUMNAM JANBAAZ	Magazine programme
5-	01:30 AM	YADON KE DAREECHE SE	मनोरंजन आधारित कार्यक्रम
6-	02:00 AM	YAADEIN	Magazine programme
7-	02:30 AM	ANDAZ-E-BAYAAN	Magazine programme
8-	03:00 AM	NAGHMA-E-MARIFAT	भक्ति-गीत एवं लोकगीत से संबंधित कार्यक्रम
9-	03:30 AM	SUFIYON KA AANGAN	सूफियों के मत के प्रचार-प्रसार से संबंधित कार्यक्रम
10-	04:00 AM	SUNEHRE GEET	पुराने फिल्मी गीत

11-	04:30 AM	GHAZAL KI KAHANI	उर्दू अदब से संबंधित कार्यक्रम
12-	05:00 AM	JAHAN-E-KHUSRO	सूफी संगीत से संबंधित कार्यक्रम
13-	05:30 AM	SARGARMIYAN	समसामयिक मुद्दों से जुड़ा कार्यक्रम
14-	06:00 AM	KHABRAIN	समाचार आधारित कार्यक्रम
15-	06:05 AM	NAGHMA-E-MARIFAT	भक्ति-गीत एवं लोकगीत से संबंधित कार्यक्रम
16-	06:30 AM	SUFIYON KA AANGAN	सूफियों के मत के प्रचार-प्रसार से संबंधित कार्यक्रम
17-	07:00 AM	SUNEHRE GEET	पुराने फिल्मी गीत
18-	07:30 AM	GHAZAL KI KAHANI	उर्दू अदब से संबंधित कार्यक्रम
19-	08:00 AM	KHABRAIN	समाचार आधारित कार्यक्रम
20-	08:05 AM	MUJAHID-E-AZADI - HASRAT MOHANI	स्वतंत्रता संग्राम सेनानी पर आधारित कार्यक्रम
21-	08:30 AM	JAHAN-E-KHUSRO	सूफी संगीत से संबंधित कार्यक्रम
22-	09:00 AM	NANHE DANISHMAND	मनोरंजन कार्यक्रम
23-	09:30 AM	SARGARMIYAN	समसामयिक मुद्दों से जुड़ा कार्यक्रम
24-	10:00 AM	KHABRAIN	समाचार आधारित कार्यक्रम
25-	10:30 AM	ZARKASH	डॉकयूमेंट्री आधारित कार्यक्रम
26-	11:00 AM	KHABRAIN	समाचार आधारित कार्यक्रम
27-	11:05 AM	MUJAHID-E-AZADI - HASRAT MOHANI	स्वतंत्रता संग्राम सेनानी पर आधारित कार्यक्रम
28-	11:30 AM	ILM KI BUNIYAD	प्रेरक महापुरुषों के जीवन से संबंधित कार्यक्रम
29-	12:00 PM	GUMNAM JANBAAZ	Magazine programme
30-	12:30 PM	YADON KE DAREECHE SE	मनोरंजन आधारित कार्यक्रम
31-	1:00 PM	KHABRAIN	समाचार आधारित कार्यक्रम
32-	1:05 PM	YAADEIN	Magazine programme
33-	1:30 PM	INTERNATIONAL CURRENT AFFAIR	समसामयिक मुद्दों पर आधारित कार्यक्रम
34-	2:00 PM	BADHA	फीचर फिल्म
35-	3:30 PM	MEHFIL-E-SAMA	भक्ति-संगीत से जुड़ा कार्यक्रम
36-	4:00 PM	JAHAN-E-KHUSRAU	सूफी संगीत से संबंधित कार्यक्रम
37-	4:30 PM	KARWAN- E – AZADI	Magazine programme
38-	5:00 PM	KHABRAIN	समाचार आधारित कार्यक्रम
39-	5:30 PM	URDU THEATRE EK SAFARNAMA	उर्दू थियेटर के इतिहास पर आधारित कार्यक्रम
40-	6:00 PM	SARGARMIYAN	समसामयिक मुद्दों से जुड़ा कार्यक्रम
41-	6:30 PM	URDU ADAB KE LEGENDS	उर्दू अदब से संबंधित कार्यक्रम
42-	7:00 PM	SUNEHRE HAATH	टैलेंट शो कार्यक्रम
41-	7:30 PM	KHABRAIN	समाचार आधारित कार्यक्रम
42-	7:35 PM	AWWAL GULOOKAAR	टैलेंट शो कार्यक्रम
43-	8:30 PM	KAHAN GAYE WOH LOG	प्रेरक महापुरुषों से संबंधित कार्यक्रम
44-	9:00 PM	IMROZ	समाचार आधारित कार्यक्रम
45-	9:30 PM	HINDUSTAN MEIN MUSAWWARI KI RIWAYAT	Magazine programme
46-	10:00 PM	BADHA	
47-	11:30 PM	MEHFIL-E-SAMA	भक्ति-संगीत से जुड़ा कार्यक्रम

वर्तमान में डीडी उर्दू पर पर्याप्त संख्या में ख़बरों एवं समसामयिक मुद्दों से संबंधित कार्यक्रमों का प्रसारण हो रहा है। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह का उर्दू प्रेम कहा जाए या राजनैतिक निशाना,जो भी हो उनके दौर-ए- हुकूमत में डीडी उर्दू के समाचार बुलेटिनों का पर्याप्त प्रसार हुआ। प्रसार भारती के मुख्य कार्यकारी अधिकारी जवाहर सरकार ने सरकार द्वारा दी गई इस जिम्मेदारी को बखूबी निभाया। पहले दूरदर्शन न्यूज़ पर सवेरे साढ़े नौ बजे का एक उर्दू बुलेटिन था, जो डीडी उर्दू पर भी प्रसारित होता था। इस के साथ ही एक बुलेटिन इमरोज़ (आज का दिन) के शीर्षक से रात नौ बजे केवल डीडी उर्दू पर ही प्रसारित होता था। अब इन दो समाचार बुलेटिन के अलावा भी उर्दू में 10 बुलेटिन बढ़ाए गए हैं।

दूरदर्शन ने डीडी उर्दू चैनल उर्दू वालों को ध्यान में रख कर ही आरंभ किया था किंतु डीडी उर्दू को लेकर गंभीरता कभी दिखाई नहीं दी थी। अब डीडी उर्दू में आमूल-चूल परिवर्तन देखने को आ रहा है। कई 'इन हाउस' कार्यक्रम प्रस्तुत किए जा रहे हैं। साथ ही इस चैनल पर कार्यक्रम बनाने के लिए बाहर के प्रोड्यूसर को भी सीरियल बनाने के लिए दिए गए हैं। डीडी उर्दू को ले कर गंभीरता इस से भी पता चलती है कि अब इस चैनल पर रात आठ बजे से ले कर दस बजे तक के समय को प्राइम टाइम के नाम से अलग से दिखाया जाता है जिस में काफी रोचक सामग्री प्रस्तुत करने की कोशिश होती है। यह अलग बात है कि जोश में आकर कभी कभी कुछ ऐसा परोस दिया जाए जो कि उस दर्शक-वर्ग के मिज़ाज से अलग होता है। डीडी उर्दू पर प्रसारित कार्यक्रमों में उसकी समाचार सेवा प्रमुख है। दूरदर्शन न्यूज़ के महानिदेशक एस. एम. ख़ान. ने भी इस सिलसिले में काफी कोशिशें की हैं। समाचार बुलेटिन आप सवेरे छः बजे, आठ बजे, गियारह बजे, दोपहर एक बजे, तीन बजे, शाम साढ़े सात बजे और मध्य रात्रि बारह बजे पाँच-पाँच मिनट का देख सकते हैं। इस के अलावा शाम को पाँच बजे पंद्रह मिनट का बुलेटिन होता है। साथ ही सवेरे साढ़े नौ बजे और रात को नौ बजे का आधे घंटे का इमरोज़ बुलेटिन भी पहले जैसा ही प्रसारित किया जाता है।

दूरदर्शन के क्षेत्रीय एकांशों से भी उर्दू बुलेटिनों का प्रसारण होता है जिनमें भोपाल केंद्र से 1845 बजे से 1900 बजे के बीच एक बुलेटिन का प्रसारण, हैदराबाद केंद्र से दो उर्दू बुलेटिनों का प्रसारण 1315 बजे से 1325 बजे के बीच और 1845 बजे से 1855 बजे के बीच, कलकत्ता केंद्र से 1845 बजे 1900 बजे के बीच एक उर्दू बुलेटिन का प्रसारण, लखनऊ केंद्र से दो उर्दू बुलेटिनों 1420 बजे 1430 बजे और 1850 बजे 1900 बजे के बीच, दूरदर्शन के पटना केंद्र से दो उर्दू बुलेटिनों का प्रसारण 1515 बजे से 1525 बजे और 1845 बजे से 1855 बजे के बीच जबकि दूरदर्शन के श्रीनगर के उर्दू समाचारों के सात बुलेटिनों 0905 बजे से 0910 बजे, 1105 बजे से 1110 बजे, 1305 बजे से 1310 बजे, 1505 बजे से 1510 बजे, 1635 बजे से 1640 बजे, 1845 बजे से 1900 बजे एवं 2205 बजे से 2210 बजे के बीच प्रसारण होता है।

डीडी उर्दू की स्थापना से ही उस पर समसामयिक मुद्दों से जुड़े कार्यक्रमों का प्रसारण होता रहा है। ये और बात है जिस गुणवत्ता की उम्मीद डीडी उर्दू से थी शायद उसको वो हासिल नहीं कर सका। दूरदर्शन के उर्दू चैनल से ही सत्र 2007-2008 से नजरिया के समसामयिक कार्यक्रम का प्रसारण हुआ। कुल 13 एपिसोड के प्रसारण के बाद ये कार्यक्रम बंद हो गया। खबर-ओ-नजर के नाम से 2008 से 2012 के बीच एक लोकप्रिय समसामयिक कार्यक्रम का प्रसारण हुआ। मूलतः ये कार्यक्रम ख़बरों के विश्लेषण से संबंधित था। ये कार्यक्रम भी 1547 एपिसोड के प्रसारण के बाद बंद हो गया।

आलमी मंजरनामा के नाम से एक समसामयिक कार्यक्रम का प्रसारण 2013 में शुरू हुआ और 2013 में ही बंद हो गया। आलमी मंजरनामा के कुल 13 एपिसोड का प्रसारण हुआ।

अंतर्राष्ट्रीय समसामयिक मुद्दों से संबंधित कार्यक्रम एशिया से... मंजर पसमंजर का प्रसारण 2014 में शुरू हुआ। इस कार्यक्रम के मात्र 2 एपिसोड का ही प्रसारण हो सका। उपर्युक्त सभी कार्यक्रम इन-हाउस प्रकृति के थे, जिसका आशय ये हैं कि इन सभी कार्यक्रमों का प्रसारण स्टूडियो आधारित थे और इनका निर्माण स्टूडियो के अंदर हुआ है। वर्तमान में दूरदर्शन के उर्दू चैनल से चार समसामयिक मुद्दों से जुड़े कार्यक्रमों का प्रसारण हो रहा है। इन कार्यक्रमों में मुबाहिसा नामक कार्यक्रम जिसका प्रसारण 2013 से हो रहा है। इसके अबतक 26 एपिसोड का प्रसारण हो चुका है। सरगरमियाँ नामी समसामयिक कार्यक्रम का प्रसारण 2013 से हो रहा है। इस कार्यक्रम के भी अबतक 930 एपिसोड का प्रसारण हो चुका है। दूरदर्शन के उर्दू चैनल से प्रसारित दो कार्यक्रम दुनिया मेरे आगे और ये है इंडिया काफी महत्वपूर्ण है। इन दोनों कार्यक्रमों का प्रसारण 2014 से हो रहा है। और वर्तमान में इनके 100 से भी अधिक एपिसोड का प्रसारण हो चुका है। ये दोनों कार्यक्रम इन-हाउस प्रकृति के हैं। दुनिया मेरे आगे अंतर्राष्ट्रीय मुद्दों से संबंधित समसामयिक कार्यक्रम है जबकि ये है इंडिया देश में घटित प्रमुख घटनाओं पर आधारित कार्यक्रम हैं।

डीडी उर्दू पर प्रसारित कार्यक्रमों की अगर सूची देखें तो इससे साफ अंदाजा होगा कि ये चैनल इंफोटेंमेंट पर आधारित चैनल है। समाचार एवं समसामयिक कार्यक्रमों के अलावा इस चैनल पर भक्ति-संगीत, प्रेरक महापुरुषों के जीवन पर आधारित कार्यक्रम, मनोरंजन आधारित कार्यक्रम, सूफियों के मत के प्रचार-प्रसार से संबंधित कार्यक्रम, पुराने फिल्मी गीत, उर्दू अदब से संबंधित कार्यक्रम, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी पर आधारित कार्यक्रम, डॉकयूमेंट्री आधारित कार्यक्रम, फीचर फिल्म, उर्दू थियेटर के इतिहास पर आधारित कार्यक्रम, टैलेंट शो कार्यक्रम आदि कार्यक्रमों का प्रसारण होता है। जहाँ तक महिलाओं से जुड़े कार्यक्रमों का सवाल है तो ई-टीवी की तरह डीडी-उर्दू पर महिलाओं से जुड़े कार्यक्रमों का प्रसारण नहीं के बराबर होता है। ये और बात है कि घटना सापेक्ष कुछ कार्यक्रमों का प्रसारण अवश्य होता है।

निष्कर्ष-किसी भी चैनल का बुनियादी मकसद होता है कि वो दर्शकों की अपेक्षाओं पर खरा उतरे। चूंकि भाषायें और बोलियां लोगों की सांस्कृतिक ज़रूरतों से जुड़ी हुई होती हैं। इसलिए उर्दू चैनल से ये अपेक्षा थी कि वो अपने लक्षित समूहों की सांस्कृतिक ज़रूरतों को पूरा करें। उपरोक्त चैनलों के कार्यक्रम विश्लेषण से ये स्पष्ट है कि इनमें भरपूर विविधता है। ई-टीवी उर्दू ख़बरों एवं समसामयिक मुद्दों के अलावा धर्म,उर्दू साहित्य,महिलाओं से जुड़े कार्यक्रम,बच्चों से जुड़े कार्यक्रमों को भरपूर प्रसारित करता है। वहीं डीडी-उर्दू ख़बरों एवं समसामयिक मुद्दों के अलावा सरकारी योजनाओं से जुड़े कार्यक्रमों,बच्चों से जुड़े कार्यक्रमों को भरपूर प्रसारित कर रहा है। मगर महिलाओं से संबंधित कार्यक्रमों का उपरोक्त दोनों चैनलों पर प्रसारण कम होता है। जिसको और बढ़ाने की आवश्यकता है।

दर्भ-सूची

मास कम्युनिकेशन इन इंडिया-केवल जे कुमार -जैको प्रकाशन,दिल्ली
दृश्य-श्रव्य एवं जनसंचार माध्यम-डॉ. के के रतू-राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी-जयपुर
मास मीडिया रिसर्च-रोजर दी विम्मर एवं जोसफ आर डोमिनिक-सेंगेग लर्निंग
जदीद सहाफ़त-डॉ.एहतशाम अहमद खान-नेशनल पब्लिशिंग हाउस-नई दिल्ली
टेलीविजन की भाषा-हरीश चन्द्र वर्णवाल-राधा कृष्ण प्रकाशन-दिल्ली
भारत में जनसंचार एवं पत्रकारिता-अवधेश कुमार यादव -हरियाणा ग्रंथ अकादमी-पंचकुला
इंडियन टेलीविजन-देवव्रत सिंह-हर आनंद प्रकाशन नई दिल्ली
संबंधित चैनलों के आधिकारिक वेबसाइट्स का अध्ययन